06 नवम्बर 2023

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

smc
moneywise. be wise.

प्रमुख खबरें

- भारत में 2023-24 के लिए कपास का उत्पादन पिछले 15 वर्षों में सबसे कम होने का अनुमान है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) के पहले अनुमान से पता चला है कि उत्पादन लगभग 29.51 मिलियन गांठ होगा। चालू वर्ष के लिए उत्पादन अनुमान अक्टूबर की शुरुआत में घोषित 31.65 मिलियन गांठ के सरकारी अनुमान से काफी कम है।
- अक्टूबर से सितंबर तक चलने वाले खरीफ बाजार सीजन 2023-24 में एमएसपी पर सरकार की धान खरीद अब तक 161.47 लाख टन तक पहुंच गई है। 2023-24 बाजार सीजन के पहले महीने में चावल की खरीद में 9 प्रतिशत की गिरावट हुई है।
- अमेरिका ने यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस को निशाना बनाते हुए व्यापक नए प्रतिबंध लगाए। नवीनतम उपाय साइबेरिया में आर्कटिक-2 एलएनजी नामक एक विशाल परियोजना के विकास, संचालन और स्वामित्व में शामिल एक प्रमुख इकाई को लक्षित हैं। इस परियोजना से वैश्विक बाजारों में तरलीकृत नेचुरल गैस भेजने की उम्मीद है।
- यूसीएबी कृषि व्यवसाय संघ के अनुसार नए काला सागर निर्यात गलियारे की बदौलत अक्टूबर में यूक्रेनी कृषि निर्यात सितंबर की तुलना में 15% बढ़कर 4.8 मिलियन मीट्रिक टन हो गया।
- फेडरल रिजर्व के रेटिंग-सेटिंग समूह ने सर्वसम्मति से प्रमुख संघीय निधि दर को 5.25%-5.5% के बीच में रखने पर सहमति व्यक्त की। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने अपनी प्रमुख ब्याज दर को मौजूदा 22 साल के उच्चतम स्तर पर बनाए रखा है ।
- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार बार और सिक्कों और केंद्रीय बैंकों की ओर से कमजोर मांग के कारण 2023 की तीसरी तिमाही के दौरान वैश्विक स्तर पर सोने की मांग छह प्रतिशत घटकर 1,147.5 टन रह गई।
- दुनिया में तांबें के सबसे बड़े उत्पादक चिली की आईएनई सांख्यिकी एजेंसी ने कहा कि देश में तांबे का उत्पादन सितंबर में साल-दर-साल 4.1% बढ़कर 457,393 मीट्रिक टन हो गया।
- राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि अक्टूबर में मैनुफैक्चरिंग क्रय प्रबंधक सूचकांक अक्टूबर में कम होकर 49.5 पर आ गया, जो पिछले महीने से 0.7 अंक कम है।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	27.10.23	02.11.23	बदलाव (%)
धनिया	7202.00	7408.00	2.86%
कॉटनऑयलसीडकेक	2911.00	2955.00	1.51%
सीसेमसीड	18135.00	18365.00	1.27%
जौ	2132.00	2153.00	0.98%
मक्का	2135.00	2153.00	0.84%

MCX में सबसे अधिक बढने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	27.10.23	02.11.23	बदलाव (%)
लेड	181.75	186.05	2.37%
तांबा	694.35	710.40	2.31%
एल्युमीनियम	204.00	206.25	1.10%
सोना पेटल	5991.00	6025.00	0.57%
सोना गिनी	48952.00	49204.00	0.51%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	27.10.23	02.11.23	बदलाव (%)
जीरा	47380.00	40515.00	-14.49%
ग्वारगम	11917.00	11361.00	-4.67%
ग्वारसीड	5888.00	5677.00	-3.58%
कैस्टरसीड	5980.00	5818.00	-2.71%
कैस्टरऑयल	1208.00	1175.50	-2.69%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	27.10.23	02.11.23	बदलाव (%)
कच्चा तेल	6945.00	6762.00	-2.63%
निकल	1559.60	1541.50	-1.16%
सोना	60952.00	60785.00	-0.27%
नेचुरल गैस	291.50	291.40	-0.03%

साप्ताहिक समीक्षा

युद्ध-संबंधित प्रीमियम में कमी के कारण सीआरबी सूचकांक में अपने पिछले उच्च स्तर से गिरावट दर्ज की गई। आगामी फेडरल रिजर्व बैठक की उम्मीद में निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली करने से भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई। ऊर्जा बाजार में, नेचुरल गैस वायदा में लगातार दूसरी साप्ताहिक वृद्धि देखी गई, जबकि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार दूसरे सप्ताह अहम गिरावट हुई। अमेरिकी भंडार आंकड़ों से पता चलता है कि 27 अक्टूबर तक के सप्ताह में तेल भंडार में उम्मीद से थोड़ी कम बढ़ोतरी हुई। डिस्टिलेट भंडार में उम्मीद से कम गिरावट देखी गई, जबकि गैसोलीन भंडार में अप्रत्याशित, लेकिन सीमित वृद्धि दर्ज की गई। डॉलर सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ क्योंकि फेड ने अपनी ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखने का फैसला किया और बांड यील्ड में गिरावट जारी रही। छह सप्ताह की गिरावट के बाद तांबे की कीमतों में तेजी दर्ज की गई और फेड के फैसले और सकारात्मक आर्थिक संकेतकों के कारण अन्य बेस मेटल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई। लेकिन अक्टूबर में चीन की फैक्टरी गतिविधि में अप्रत्याशित रूप से गिरावट हुई है, जैसा कि दो सर्वेक्षणों से पता चला है, जिससे देश के विशाल मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र की स्थिति को लेकर चिंताएँ फिर से बढ़ गई हैं। चीन के दक्षिण-पश्चिमी युन्नान प्रांत में एल्युमीनियम स्मेल्टरों ने इस सप्ताह उत्पादन में कटौती शुरू कर दी है क्योंकि जलविद्युत पर निर्भर क्षेत्र शुष्क मौसम में प्रवेश कर गया है।

पिछला सप्ताह कृषि कमोडिटीज के लिए मंदी वाला रहा। अरंडी की कीमतों में लगातार छठे सप्ताह गिरावट दर्ज की गई। कॉटनकैंडी वायदा में मंदी का रुझान रहा। खरीद गतिविधि में सुधार के कारण कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतें अपने निचले स्तर से बढ़ गई, जबकि बाजार में आपूर्ति बढ़ने से ग्वारसीड और ग्वारगम की कीमतों में गिरावट हुई। ग्वारगम के सुस्त निर्यात की खबरों के बीच नयी फसल की बढ़ती आवक के दबाव ने बाजार के सेंटीमेंट पर असर डाला। जीरा की कीमतों में भारी गिरावट देखी गई और केवल नौ सप्ताह में यह 64,000 से गिरकर 42,000 पर आ गई। वर्ष 2023 में जीरा की खेती की लागत से अधिक कीमत मिलने के कारण जीरा का उत्पादन क्षेत्र बढ़ने की उम्मीद है। मौसम की स्थिति अनुकूल है, जबकि बुआई गतिविधियों के लिए मिट्टी में नमी भी पर्याप्त है, जिससे बुआई की प्रगति में आसानी होगी। इसके अलावा, सुस्त निर्यात मांग ने भी कीमतों पर दबाव डाला। लेकिन धनिया और हल्दी वायदा ने व्यापारियों के लिए खरीदारी के लिए कुछ अवसर प्रदान किए। घटती आपूर्ति और निरंतर निर्यात ने धनिया की कीमतों को और बढ़ने में मदद की। भारत ने पिछले वर्ष के 2.6 हजार टन के मुकाबले अगस्त-23 में लगभग 6.2 हजार टन धनिया का निर्यात किया, जबकि अप्रैल-23-अगस्त-23 के दौरान कुल निर्यात 81.3 हजार टन दर्ज किया गया, जो साल-दर-साल 268% अधिक है। बाजार की नजर आगामी बुआई गतिविधियों पर रहेंगी, जिसके आने वाले हफ्तों में बढ़ने की संभावना है। प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर आपूर्ति अभी भी कम है, जबकि महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में हल्दी के रकबे में गिरावट के कारण आगामी सीजन के लिए फसल का अनुमान धूमिल दिख रहा है। भारत का हल्दी उत्पादन 2023-24 सीजन (अक्टूबर-सितंबर) के दौरान पिछले वर्ष के 11.6 लाख टन की तुलना में घटकर 10.26 लाख टन हो सकता है।

कमोडिटी

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	27.10.2023	02.11.2023	बदलाव(%)
जौ	जयपुर	2,121.70	2,145.45	1.12%
चना	दिल्ली	6400.35	6369.95	-0.47%
धनिया	कोटा	7194.85	7352.95	2.20%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	784.75	782.80	-0.25%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1402.70	1376.85	-1.84%
ग्वारसीड	जोधपुर	5894.60	5667.20	-3.86%
ग्वारगम	जोधपुर	12006.60	11460.55	-4.55%
जीरा	ऊंझा	48530.90	42828.40	-11.75%
सरसों	जयपुर	5996.35	5941.45	-0.92%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	920.00	917.50	-0.27%
सोयाबीन	इंदौर	5099.10	5115.80	0.33%
हल्दी	निजामाबाद	13427.60	13657.85	1.71%
गेहूं	दिल्ली	2867.50	2803.00	-2.25%
कॉटन	कड़ी	27743.35	27181.45	-2.03%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2686.95	2673.55	-0.50%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	27.10.2023	02.11.2023	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2220.00	2227.50	0.34%
तांबा	LME	नकद	8099.00	8143.00	0.54%
लेड	LME	नकद	2123.00	2123.00	0.00%
निकल	LME	नकद	18374.00	17979.00	-2.15%
जिंक	LME	नकद	2471.50	2478.00	0.26%
सोना	COMEX	दिसम्बर	1998.50	2003.90	0.27%
चांदी	COMEX	दिसम्बर	22.77	22.85	0.32%
लाइट क्रूड	NYMEX	दिसम्बर	85.54	82.46	-3.60%
नेचुरल गैस	NYMEX	दिसम्बर	3.16	3.47	9.73%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	27.10.2023	02.11.2023	बदलाव (%)
सोयाबीन	CBOT	नवम्बर	13.19	13.28	0.68%
सोया तेल	CBOT	दिसम्बर	51.55	50.03	-2.95%
कॉटन	ICE	दिसम्बर	84.38	79.80	-5.43%
सीपीओ	BMD	दिसम्बर	3,775.00	3,784.00	0.24%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	25.10.2023 क्वांटिटी	02.11.2023 क्वांटिटी	अंतर
कॉटन	मी.टन	24248	24248	0
बाजरा	मी.टन	694	694	0
मक्का	मी.टन	0	0	0
कैस्टर सीड	मी.टन	9974	6895	-3079
चना	मी.टन	10571	9504	-1067
धनिया	मी.टन	0	0	0
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	17083	19393	2310
ग्वारगम	मी.टन	18039	18718	679
ग्वारसीड	मी.टन	54	15	-39
जीरा	मी.टन	2058	2194	136
मक्का	मी.टन	0	0	0
स्टील लॉन्ग	मी.टन	422	422	0
हल्दी	मी.टन	2161	2207	46

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	27.10.2023 क्वांटिटी	02.11.2023 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	876	887	10
तांबा	मी.टन	2964670	3590218	625548
सोना	किग्रा	535	514	-21
सोना मिनी	किग्रा	2760	2632	-128
सोना गिनी	किग्रा	75200	77600	2400
लेड	किग्रा	0	0	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	37844	78453	40609
चांदी एम	किग्रा	36363	36363	0
जिंक	मी.टन	0	0	0

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 27.10.2023	स्टॉक की स्थिति 02.11.2023	अंतर
एल्युमीनियम	476725	470700	-6025.00
तांबा	180600	170825	-9775.00
निकल	45144	43050	-2094.00
लेड	126575	129650	3075.00
जिंक	81600	82200	600.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	दिसम्बर	40605.00	10.10.23	मंदी	58000.00	-	46800.00	47000.00
NCDEX	हल्दी	दिसम्बर	13620.00	20.09.23	मंदी	15000.00	-	14400.00	14450.00
NCDEX	ग्वारसीड	दिसम्बर	5758.00	05.10.23	तेजी	5500.00	5550.00	-	5500.00
NCDEX	कैस्टरसीड	दिसम्बर	5777.00	14.09.23	मंदी	6300.00	-	6250.00	6300.00
NCDEX	स्टील लांग	दिसम्बर	44930.00	27.09.23	मंदी	46300.00	-	45450.00	45500.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	दिसम्बर	2955.00	02.08.23	तेजी	2400.00	2650.00	-	2600.00
MCX	मेंथा ऑयल	नवम्बर	925.80	27.09.23	मंदी	930.00	-	967.00	970.00
MCX	बुलडेक्स	नवम्बर	15983.00	10.10.23	तेजी	15000.00	15630.00	-	15600.00
MCX	चांदी	दिसम्बर	71400.00	10.10.23	तेजी	69000.00	68500.00	-	68000.00
MCX	सोना	दिसम्बर	60911.00	10.10.23	तेजी	57500.00	58850.00	-	58800.00
MCX	**तांबा**	**नवम्बर**	**710.40**	**01.11.23**	**तेजी**	**707.00**	**689.00**	**-**	**685.00**
MCX	**लेड**	**नवम्बर**	**186.05**	**01.11.23**	**तेजी**	**185.00**	**181.00**	**-**	**180.00**
MCX	**जिंक**	**नवम्बर**	**221.75**	**01.11.23**	**तेजी**	**220.00**	**216.00**	**-**	**215.00**
MCX	**एल्युमिनियम**	**नवम्बर**	**205.80**	**01.11.23**	**तेजी**	**206.00**	**199.00**	**-**	**198.00**
MCX	**कच्चा तेल**	**नवम्बर**	**6892.00**	**01.11.23**	**मंदी**	**6800.00**	**-**	**7160.00**	**7200.00**
MCX	**नेचुरल गैस**	**नवम्बर**	**288.60**	**01.11.23**	**तेजी**	**290.00**	**245.00**	**-**	**240.00**

*02/11/2023 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी ।उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम साप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।

2. इस साप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

सोना (दिसम्बर) एमसीएक्स

सोना (दिसम्बर) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 61539.00** **निचला स्तर: 56421.00**

एमसीएक्स में सोना (दिसम्बर) कॉन्ट्रैक्ट 02 नवम्बर 2023 को 60911.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 60281.80 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 67.93 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

59900.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 61800.00 रू के टारगेट के लिए 60500.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

ग्वारसीड (दिसम्बर) एनसीडीईएक्स

ग्वारसीड (दिसम्बर) एनसीडीईएक्स **उच्च स्तर: 6168.00** **निचला स्तर: 5515.00**

एनसीडीईएक्स में ग्वारसीड (दिसम्बर) कॉन्ट्रैक्ट 02 नवम्बर 2023 को 5758.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 5879.92 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 39.69 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

5500.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 6100.00 रू के टारगेट के लिए 5700.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

एल्युमीनियम (नवम्बर) एमसीएक्स

एल्युमीनियम (नवम्बर) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 213.15** **निचला स्तर: 196.10**

एमसीएक्स में एल्युमीनियम (नवम्बर) कॉन्ट्रैक्ट 02 नवम्बर 2023 को 205.80 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 205.50 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 55.38 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

196.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 218.00 रू के टारगेट के लिए 203.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

पिछले सप्ताह हल्दी में एकतरफा कारोबार हुआ, जिससे स्थानीय बाजार में नए सिरे से खरीदारी के कारण कीमतों में तेजी का रुझान बना रहा। गुणवत्तापूर्ण उपज की आपूर्ति में कमी और खरीदारी में बढ़ती रुचि के कारण कीमतों को बढ़ने में मदद की। आवक धीमी बनी हुई है क्योंकि नवंबर के पहले सप्ताह के दौरान भारत भर की प्रमुख एपीएमसी मंडियों में लगभग 914 हजार टन की आवक हुई है, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में 1647 टन की आवक हुई थी। हाल ही में कीमतों में गिरावट के साथ निर्यात पूछताछ में बढ़ोतरी हुई है जिससे आने वाले हफ्तों में निर्यात में वृद्धि होगी। हल्दी के मौसमी निर्यात से पता चलता है कि आने वाले महीनों में निर्यात अधिक रहेगा। अप्रैल-23-अगस्त-23 की समय अवधि के दौरान हल्दी का कुल निर्यात साल-दर-साल 16.2% अधिक रहा है। निर्यात और घरेलू खरीद के अलावा, बाजार की नजर फसल की प्रगति पर भी होगी, जो अब तक संतोषजनक दिख रही है। मौसम की स्थिति सहायक रही है जिससे पैदावार बढ़ेगी। लेकिन, वर्ष 2023 में हल्दी के तहत कम क्षेत्र के कारण कुल उत्पादन में 8% -10% की कमी होने का अनुमान है। घटती आपूर्ति और कमजोर उत्पादन अनुमान से कीमतों में बड़ी गिरावट को रोक लग सकती है। हल्दी की कीमतों के 11550-15100 के दायरे में रहने की संभावना है।

घरेलू मांग में कमी को देखते हुए अक्टूबर-23 में जीरा की कीमतों में भारी गिरावट हुई। कीमतों में अधिक गिरावट की बढ़ती आशंका और कमजोर निर्यात पूछताछ के कारण वायदा के साथ-साथ भौतिक काउंटरों पर भी मुनाफावसूली शुरू हो गई। अप्रैल-23-अगस्त-23 के दौरान कुल जीरा निर्यात में साल-दर-साल 26% की गिरावट हुई है। बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ने से एनसीडीईएक्स के गोदाम कम होने लगे और इसका असर वायदा मंच पर दिखाई देने लगा। भौतिक बाजार में कमजोर मांग को देखते हुए नवंबर-23 के पहले सप्ताह के अंत तक जीरा वायदा की कीमतें 65900 के रिकॉर्ड उच्च स्तर से 40% लुढ़ककर 39630 से नीचे आ गई। आगे चलकर, बाजार की नजर बुआई गतिविधियों पर रहने की संभावना है जो आने वाले हफ्तों में बढ़ने की उम्मीद है। खेती की लागत पर बेहतर मुनाफा और मौसम की अनुकूल स्थिति के कारण बुआई गतिविधियों से बाजार के सेंटीमेंट पर असर पड़ सकता है। लेकिन जीरे की नई फसल अभी भी 5 महीने दूर है और गुणवत्ता वाले स्टॉक का स्तर पिछले साल की तुलना में कम है जो वायदा मंच पर किसी भी समय कीमतों में शॉर्ट कवरिंग के रूप में दिखाई देगा। निकट भविष्य में जीरा की कीमतों के 38000- 49000 के बीच रहने की उम्मीद है।

धनिया की कीमतों के नरमी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है क्योंकि कुछ मुनाफावसूली देखी जा सकती है। स्टॉक पर्याप्त हैं और कीमतों में हाल ही में बढ़त के बाद भौतिक खरीदारी धीमी हो गई है। मुख्य फोकस चल रही बुआई गतिविधियों पर है, जिसमें आने वाले हफ्तों में तेजी आने की संभावना है। मौसम की स्थिति बुआई की प्रगति के लिए सहायक दिख रही है, जो वर्ष 2023 में धनिया के तहत क्षेत्र में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी। लेकिन, निरंतर निर्यात से धनिया की कीमतों में गिरावट सीमित होने की संभावना है। निर्यात मांग सक्रिय रही है और वैश्विक स्तर पर कम आपूर्ति के कारण निर्यात में अधिक बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। भारत ने पिछले वर्ष के 2.6 हजार टन के मुकाबले अगस्त-23 में लगभग 6.2 हजार टन धनिया का निर्यात किया, जबकि अप्रैल-23-अगस्त-23 के दौरान कुल निर्यात 81.3 हजार टन दर्ज किया गया, जो साल-दर-साल 268% अधिक है। धनिया की कीमतों के 7100-7800 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

बाजार में बढ़ती आवक के दबाव के कारण कपास की कीमतों में गिरावट जारी रहने की संभावना है। भारत के उत्तरी भाग में नयी आवक बढ़ी है और कटाई गतिविधियों में प्रगति के साथ मध्य क्षेत्र में भी इसमें तेजी आने की संभावना है। कटाई के लिए मौसम की स्थिति अनुकूल है जिससे बाजार में नई फसल की आपूर्ति बढ़ेगी। मांग में सुधार की संभावनाओं के मद्देनजर कपास की कीमतों में गिरावट सीमित होने की संभावना है। लेकिन, 2023-24 के लिए निराशाजनक उत्पादन अनुमान से कीमतों में गिरावट सीमित रह सकती है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने 2023-24 (अक्टूबर-सितंबर) सीजन के लिए फसल उत्पादन का पहला अनुमान जारी किया है, जिसमें इसका अनुमान 29.5 मिलियन गांठ (1 गांठ = 170 किलोग्राम) है, जो 15 वर्षों में सबसे कम है। यह अनुमान पिछले साल के 31.8 मिलियन गांठ से कम है, और चालू सीजन के लिए सरकार का पहला अग्रिम अनुमान 31.6 मिलियन गांठ है। निर्यात मांग और सर्दियों के मौसम की मांग आने वाले महीनों में बढ़ने की संभावना है, जिससे कीमतों में होने वाले नुकसान पर भी अंकुश लगेगा। एमसीएक्स पर कॉटन (नवम्बर) की कीमतों के 57000-61500 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। इसी तरह, कपास (अप्रैल-24) वायदा की कीमतों में 1580-1670 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

इसी तरह, बाजार में वैकल्पिक भोजन की उपलब्धता बढ़ने से कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में गिरावट की संभावना है। आपूर्ति की बेहतर संभावनाओं से कीमतों पर असर पड़ेगा। कॉटनसीडऑयलकेक की कीमतों के 2800-3050 के दायरे में रहने की उम्मीद है।

नयी फसल की बढ़ती आवक के दबाव के मुकाबले कमजोर मांग के कारण ग्वारसीड वायदा कीमतों में गिरावट जारी रही। ग्वारगम और ग्वारमील की गिरती कीमतों के साथ मिल मालिकों के पेराई मार्जिन में गिरावट के परिणामस्वरूप मौजूदा स्तर पर ग्वारसीड की हाथों-हाथ खरीदारी हुई। बाजार में अन्य खाद्य विकल्पों की आपूर्ति बढ़ने से ग्वारखली की मांग कम हो गई है। इसके अलावा, ग्वारगम के निर्यात में गिरावट की रिपोर्ट से भी बाजार के सेंटीमेंट पर असर पड़ा। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा सीमित खरीद के कारण अगस्त-23 में ग्वारगम का निर्यात माह-दर-माह 16% घटकर 17 हजार टन के करीब रह गया। कमजोर उत्पादन अनुमान के कारण ग्वार की कीमतों में गिरावट सीमित रहने की संभावना है। ग्वारगम की निर्यात मांग बढ़ने की उम्मीद से ग्वार में गिरावट कम होने की संभावना है। ग्वारसीड की कीमतों को 5450 के करीब सपोर्ट मिलने की संभावना है जबकि रेजिस्टेंस 6080 पर देखा जा सकता है। इसी तरह, ग्वारगम की कीमतों को 10800 पर सपोर्ट रहने की संभावना है जबकि रेजिस्टेंस 12700 पर देखा जा सकता है।

बाजार में सीमित उपलब्धता के मुकाबले खरीददारी में सुधार के कारण मेंथा तेल की कीमतों के तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है। वर्ष 2023 में उत्पादन में गिरावट के साथ आपूर्ति में गिरावट हुई है और इससे आगे कीमतों की तेजी को मदद मिल सकती है। लेकिन मेंथा ऑयल का सुस्त निर्यात अभी भी निर्यातकों के लिए बड़ी चिंता का विषय है, जिससे बढ़त सीमित रह सकती है। भारत ने अप्रैल-23-अगस्त-23 के दौरान लगभग 692 टन मेंथा तेल का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष के 886 टन की तुलना में यह 21% कम है। मेंथा ऑयल (नवम्बर) वायदा की कीमतों को 885 के करीब सपोर्ट मिलने की संभावना है और 970 पर रेजिस्टेंस रह सकता है।

बाजार में आपूर्ति कम होने के कारण अरंडी की कीमतें बढ़ने की संभावना है। अरंडीकेक के निर्यात में बढ़ोतरी की रिपोर्ट से कीमतों में मजबूती आने की संभावना है। अरंडी (नवम्बर) वायदा की कीमतों के 5660-6200 के दायरे में रहने की संभावना है।

सर्राफा

पिछले सप्ताह के दौरान सोने की कीमतों में बिकवाली का दबाव देखा गया क्योंकि निवेशकों ने सावधानी बरती और अक्टूबर में अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल रिपोर्ट के जारी होने की प्रतीक्षा करते हुए महत्वपूर्ण कदम उठाने से परहेज किया, जो फेडरल रिजर्व के भविष्य के ब्याज दर निर्णयों में अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है। सोने में लगभग 1% की गिरावट हुई, जो फेड के आगामी निर्णयों को लेकर अनिश्चितता को दर्शाता है। निवेशक सोने पर बड़ा दांव लगाने से पहले अधिक महत्वपूर्ण आंकड़ें प्राप्त करने के लिए उत्सुक हैं, खासकर चल रही भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के साथ। बाजार की उम्मीदों के अनुरूप, फेडरल रिजर्व ने अपनी बुधवार की बैठक के दौरान ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखने का फैसला किया। इससे अटकलें बढ़ गईं कि केंद्रीय बैंक ने दरों में बढ़ोतरी समाप्त कर दी है, जिसके परिणामस्वरूप डॉलर और ट्रेजरी यील्ड में गिरावट आएगी। वर्तमान में, सीएमई फेडवॉच टूल के अनुसार, लगभग 80% संभावना है कि फेड दिसंबर में दरें बनाए रखेगा। गुरुवार को, आंकड़ों से पता चला कि बेरोजगारी लाभ के लिए नए दावे दाखिल करने वाले अमेरिकियों की संख्या में मामूली वृद्धि हुई है। तकनीकी दृष्टिकोण से, सोने की कीमतों को तेजी दर्ज करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा, और कीमतों को 2,000 डॉलर के स्तर के पास रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ा। इस स्तर से ऊपर बने रहने से कीमतें 2,045 डॉलर तक बढ़ सकती हैं, जबकि ऐसा करने में विफल रहने से रूझान बदल सकता है, जिससे कीमतें संभावित रूप से 1,950 डॉलर तक लुढ़क सकती हैं। दूसरी ओर, चांदी की कीमतें 20.60 डॉलर से 24.20 डॉलर के व्यापक दायरे में रही। एमसीएक्स पर सोने की कीमतों के मिले-जुले रूझान के साथ कारोबार करने की उम्मीद है, जिसमें दोनों दिशाओं में उतार-चढ़ाव होगा। सोने की कीमतें 59,600 और 61,400 के बीच कारोबार कर सकती हैं। चांदी की कीमतों के 68,500 से 74,200 के बीच कारोबार करने की संभावना है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

मध्य पूर्व की चिंताएं कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट देखी गई है। प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्र में आपूर्ति में व्यवधान की चिंताएं कम हो गई हैं। लेकिन दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातक चीन में मांग का आउटलुक अनिश्चित बना हुआ है, जिससे तेल बाजार की गतिशीलता प्रभावित हो रही है। यद्यपि तेल की कीमतों को बेहतर जोखिम वाले माहौल से फायदा हुआ है, लेकिन फेडरल रिजर्व द्वारा अपनी ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर रोक लगाने की बढ़ती उम्मीद से कीमतों को मदद मिल रही है। चीन की मैनुफैक्चरिंग गतिविधि अक्टूबर में अप्रत्याशित रूप से कम गई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार आधिकारिक क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) 50.2 से गिरकर 49.5 हो गया, जो विस्तार या कमी का संकेत देने वाली महत्वपूर्ण 50-बिंदु सीमा से नीचे चला गया। चीन में एक निजी क्षेत्र के सर्वेक्षण में भी अक्टूबर में सेवा गतिविधि के विस्तार में थोड़ी तेजी का पता चला, लेकिन बिक्री दस महीनों में सबसे धीमी दर से बढ़ी, और रोजगार स्थिर रहा, जो घटते व्यापारिक विश्वास को दर्शाता है। भूराजनीतिक चिंताएं बनी हुई हैं, विशेष रूप से हमास के खिलाफ चल रहे हमले में गाजा शहर को घेरने वाली इजरायली सेना ने भूमिगत सुरंगों से हिट-एंड-रन हमलों का जवाब दिया है। विश्लेषकों के अनुसार, शीर्ष तेल निर्यातक सऊदी अरब द्वारा दिसंबर तक अपनी स्वैच्छिक 1 मिलियन बैरल प्रति दिन तेल-उत्पादन कटौती को बढ़ाने की उम्मीद है। निकट भविष्य में, तेल की कीमतें अस्थिर रहने की संभावना है, और कीमतें 6,680-7,150 के दायरे में कारोबार कर सकती है। इस बीच, गर्म मौसम के पूर्वानुमानों से मांग कम होने की आशंका से नेचुरल गैस की कीमतों में एक तरफा रुझान दिखा है। हाल ही में मांग में गिरावट आंशिक रूप से कनाडा से ठंडी हवाओं के संयुक्त राज्य अमेरिका में आक्रामक रूप से आगे बढ़ने में विफल रहने के कारण हुई है। इस सप्ताह में नेचुरल गैस की कीमतों के 285-335 के दायरे में रहने का अनुमान है।

बेस मेटल

बेस मेटल की कीमतें एक दायरे में साइडवेज कारोबार कर सकती हैं क्योंकि शीर्ष उपभोक्ता चीन के कमजोर आर्थिक आंकड़ों ने मांग के आउटलुक को प्रभावित किया है, जबकि आने वाले हफ्तों में दरों में और बढ़ोतरी नहीं होने के अनुमान से अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने की उम्मीद से काउंटर को समर्थन मिल सकता है। हाल ही में हुए दो सर्वेक्षणों से पता चला है कि अक्टूबर में चीन की फैक्टरी गतिविधि में अप्रत्याशित रूप से गिरावट हुई है, जिससे देश के विशाल मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र की स्थिति को लेकर चिंताएँ फिर से बढ़ गई हैं। चीन ने पिछले सप्ताह निवेश और आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए एक ट्रिलियन युआन (137 बिलियन डॉलर) के सॉवरेन बांड जारी करने को मंजूरी दी थी। लेकिन मौद्रिक प्रोत्साहन काम नहीं कर रहा है और पारंपरिक राजकोषीय उपाय अपनी अधिकतम सीमा तक पहुंच गए हैं। तांबें की कीमतें 695-730 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एलएमई और शंघाई फ्यूचर्स एक्सचेंज अनुमोदित गोदामों, और सीएमई पंजीकृत गोदामों में तांबे के घटते स्टॉक से सेंटीमेंट को मदद मिल रही है। लेकिन दुनिया में तांबें के सबसे बड़े उत्पादक चिली की आईएनई सांख्यिकी एजेंसी ने कहा कि देश में तांबे का उत्पादन सितंबर में साल-दर-साल 4.1% बढ़कर 457,393 मीट्रिक टन हो गया। ब्ज्ज्ब फ्यूचर्स ने एक रिपोर्ट में कहा है कि सितंबर की तुलना में अक्टूबर में चीन में रिफाइंड तांबे की मांग कम हुई है, जिससे बाजार में मामूली सरप्लस की स्थिति बनी। सरप्लस की यह स्थति बनी रहने की संभावना है क्योंकि नवंबर में खपत में फिर से गिरावट की उम्मीद है। जिंक की कीमतें 210-232 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। नीदरलैंड स्थित नायरस्टार ने कहा कि वह दो अमेरिकी जिंक खदानों को अस्थायी रूप से बंद करने की योजना बना रहा है, जिसके बाद जिंक में बढ़त जारी रह सकती है। लेड की कीमतें 180-192 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एल्युमीनियम की कीमतें 198-215 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। चीन के दक्षिण-पश्चिमी युन्नान प्रांत में एल्युमीनियम स्मेल्टरों ने पिछले सप्ताह उत्पादन में कटौती शुरू कर दी क्योंकि जलविद्युत पर निर्भर क्षेत्र शुष्क मौसम में प्रवेश कर गया। स्टील लॉन्ग (नवंबर) की कीमतों के 43000-45500 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है और कीमतों में बढ़त पर बिकवाली की रणनीति होनी चाहिए।

विश्व स्तर पर सोने की मांग-भू-राजनीतिक अनिश्चितता में मांग बरकरार

भू-राजनीतिक अनिश्चितता, महामारी से संबंधित परिस्थिति और वैश्विक आर्थिक मंदी के संकट के समय में अपने पैसे को निवेश करने और अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए सोना हमेशा से निवेशकों के बीच प्रमुख पसंद होता है। वैश्विक स्तर पर मौजूदा संकट और अनिश्चितता के दौर में वैश्विक केंद्रीय बैंकों के लिए भी सोना सबसे विश्वसनीय रिजर्व बन गया है। भू-राजनीतिक संकट, आपूर्ति श्रृंखला की कठिनाइयाँ और बढ़ती मुद्रास्फीति ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डाला है और निवेशकों की रुचि फिर से बढ़ी है, जिससे सोने की कीमतों में तेजी बरकरार है।

- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की 31 अक्टूबर की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार बार और सिक्कों और केंद्रीय बैंकों की ओर से कम मांग के कारण 2023 की तीसरी तिमाही के दौरान वैश्विक स्तर पर सोने की मांग छह प्रतिशत घटकर 1,147.5 टन रह गई।
- रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल की तीसरी तिमाही में वैश्विक स्तर पर आभूषणों की मांग एक प्रतिशत घटकर 578.2 टन रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 582.6 टन थी।
- रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर बार और सिक्के की मांग तीसरी तिमाही के दौरान 14% गिरकर 296.2 टन हो गई, जो एक साल पहले 344.2 टन थी।
- प्रौद्योगिकी में उपयोग के लिए सोने की मांग 77.3 टन से तीन प्रतिशत गिरकर 75.3 टन हो गई क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में मांग अपेक्षाकृत कमजोर रही, लेकिन कुछ क्षेत्रों में सुधार के संकेत दिखे।
- रिपोर्ट के मुताबिक, तीसरी तिमाही में केंद्रीय बैंकों की ओर से सोने की खरीदारी भी 27% घटकर 337.1 टन रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 458.8 टन थी।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि सोने की ऊंची कीमतों और आर्थिक अनिश्चितता का माहौल साल-दर-साल गिरावट का मुख्य कारण है, खासकर एशिया और मध्य पूर्व के कुछ अधिक मूल्य-संवेदनशील बाजारों में।
- दुनिया में सोने की सबसे अधिक खपत वाले देश चीन में सोने की मांग इस साल तीसरी तिमाही में मामूली रूप से बढ़कर 247 टन हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 242.7 टन थी।
- रिपोर्ट के अनुसार, तीसरी तिमाही के दौरान सोने की कुल आपूर्ति छह प्रतिशत बढ़कर 1,267.1 टन हो गई, जो एक साल पहले 1,190.6 टन थी। तीसरी तिमाही में खदान उत्पादन रिकॉर्ड 971 टन पर पहुंच गया; उक्त अवधि में पुनर्चक्रित सोना साल-दर-साल बढ़कर 289 टन हो गया।

भारत में सोने की मांग

- दुनिया में सोने की दूसरे सबसे अधिक खपत वाले देश भारत में सोने की मांग एक साल पहले के 191.7 टन के मुकाबले 10% बढ़कर 210.2 टन हो गई।
- 2023 की तीसरी तिमाही में भारत में सोने के आभूषणों की कुल मांग 7% बढ़कर 155.7 टन हो गई, जबकि 2022 की तीसरी तिमाही में यह 146.2 टन थी, जो इसके पांच साल के औसत 130 टन से 19% अधिक थी।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि सोने की ऊंची कीमत के बावजूद कम कैरेट (18 कैरेट और 14 कैरेट) के आभूषणों ने लोकप्रियता हासिल की है और खुदरा विक्रेताओं द्वारा इन उच्च-मार्जिन वाले उत्पादों को बढ़ावा देने से लाभ हुआ है।
- 2023 की तीसरी तिमाही में कुल निवेश मांग 54.5 टन रही, जो 2022 की तीसरी तिमाही में दर्ज 45.4 टन की तुलना में 20% अधिक है।
- 2023 में, मांग लगभग 700 मीट्रिक टन तक गिर सकती है, जो तीन साल में सबसे कम है, जो एक साल पहले 774.1 मीट्रिक टन थी।

तीसरी तिमाही में सोने की मांग में अस्थायी गिरावट के बावजूद, मौजूदा बाजार स्थितियों को देखते हुए, विश्व स्वर्ण परिषद का दृष्टिकोण तेजी का बना हुआ है, जो केंद्रीय बैंकों और अस्थिर दुनिया में स्थिरता चाहने वाले निवेशकों दोनों के लिए सोने के लगातार आकर्षण का अहम कारक है। निवेश मांग भी मजबूत रहने की उम्मीद है क्योंकि उच्च मुद्रास्फीति और बढ़े हुए भू-राजनीतिक तनाव के कारण निवेशकों के बीच सोने की मांग बढ़ने की संभावना है। भारत में शादी के पारंपरिक मौसम और दिवाली और दशहरा सहित प्रमुख त्योहारों, जब सराफा खरीदारी को शुभ माना जाता है, के कारण सोने की मांग आमतौर पर साल के अंत में अधिक होती है।

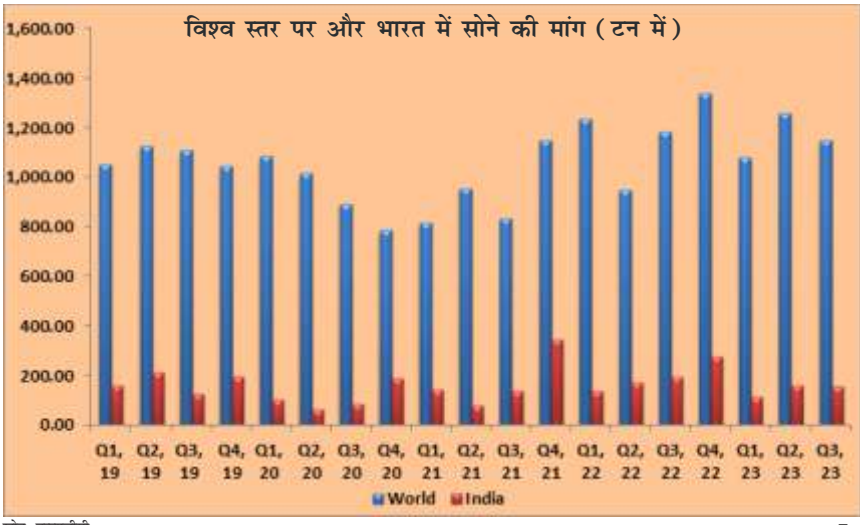

स्रोत: डब्ल्यूजीसी

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित हैं। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।